Hindustan Times - 24 May 2024

The Marathwada region is among he worst hit areas due to water scarcity. CM Eknath Shinde has asked the local authorities to not stop water supply even if bills are pending. RAJU SHINDE/HT PHOTO

1,289 villages in state have no drinking water

HT Correspondent

htmumbai@hindustantimes.com

MUMBAI: Chief minister Eknath Shinde on Thursday held a meeting at Chhatrapati Sambhajinagar to discuss the drought-like situation in the state.

The Marathwada region is among he worst hit areas due to water scarcity. Shinde directed the administration to use available water for drinking purpose on priority basis.

Divisional commissioner Madhukarraje Ardad said 68 tehsils and 354 revenue circles have been announced drought-affected. As many as 1,837 tankers have been deployed to supply drinking water to 1,289 villages and 512 hamlets.

At the meeting, Shinde asked the administration to not stop water supply even if bills are pending. He also said that water supply to constructions was not a priority, but drinking water is.

Since the mode code of conduct is in force, the state government had sought special concession from the Election Commission to hold this meeting.

The EC allowed it, but the permission to lift Model code of conduct completely is yet to be granted

Hindustan - 24 May 2024

मुसीबत | नैनीताल, रानीखेत, कौसानी सहित सभी इलाकों में पेयजल की दिक्कत, नैनीताल में सात एमएलडी से बढ़कर 13 एमएलडी पहुंची पानी की मांग

जल संकट से जूझ रहे उत्तराखंड के कई पर्यटन स्थल

नैनीताल, वरिष्ठ संवाददाता।
कुमाऊं के पर्यटन स्थल पानी के लिए परेशान हैं। बारिश की कमी, जंगल की आग से सूखे जलस्रोतों के कारण लगभग सभी बड़े पर्यटन स्थलों पर पानी का संकट खड़ा हो गया है। ऐसे में इन स्थानों पर बड़ी संख्या में पहुंच रहे लोगों के लिए पानी का इंतजाम करना मुश्किल हो गया है।

नैनीताल, भवाली, रानीखेत, अल्मोड़ा, कौसानी, चौकोड़ी सहित सभी प्रमुख पर्यटन स्थल पेयजल संकट से जूझ रहे हैं। कुमाऊं के नैनीताल में पर्यटकों की भीड़ के चलते पानी की मांग सात एमएलडी से बढ़कर 13 एमएलडी तक पहुंच गई है। जल संस्थान के अधिशासी अभियंता विपिन चौहान के अनुसार नैनीताल के ऊंचाई वाले इलाकों में पानी पहुंचने में दिक्कत आ रही है। बारिश न होने से झील का जलस्तर भी तेजी से गिरा है। भीमताल झील में तो डेल्टा ही उभर आए हैं। बागेश्वर जिले के प्रमुख पर्यटन स्थल कौसानी में पांच एमएलडी पानी की जरूरत है, लेकिन यहां ढाई एमएलडी पेयजल ही उपलब्ध हो पा रहा है।

बेरीनाग में रोजाना 2 एमएलडी पानी की आवश्यकता है, लेकिन आपूर्ति 0.5 एमएलडी ही हो रही है।

कैंची धाम में भी परेशानी

कैंची धाम दर्शन के लिए पहुंचने वाले ज्यादातर श्रद्धालु नैनीताल के बजाए अब भवाली में रहना पसंद करने लगे हैं। इस कारण यहां पानी की मांग दोगुनी तक बढ़ गई है। जल संस्थान के सहायक अभियंता रवि डोभाल के अनुसार यहां 12 एमएलडी पानी की जरूरत है पर आठ एमएलडी ही उपलब्ध हो पा रहा है।

रानीखेत के स्रोतों में घटा पानी

रानीखेत में जंगलों की आग व नियमित बारिश नहीं होने से पेयजल की किल्लत है। पेयजल आपूर्ति के चार मुख्य स्रोत हैं। इन स्रोतों में जनवरी के मुकाबले एक चौथाई पानी रह गया है। क्षेत्र में पांच ट्यूबवेल हैं, इनमें भी पानी की निकासी आधी रह गई है। रानीखेत-ताडीखेत पेयजल योजना और चिलियानौला ग्राम योजना में भी आपूर्ति 50फ़ घट गई है।

Pioneer - 24 May 2024

केरल में भारी बारिश, मौसम विभाग ने दो जिलों में जारी किया रेड अलर्ट

कोच्चि। केरल में मानसून से पूर्व हो रही बारिश के बीच भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने बृहस्पतिवार को बारिश के अलर्ट को संशोधित किया और राज्य के दो जिलों में रेड अलर्ट जारी किया। इस बीच, राज्य के कई हिस्सों में भारी बारिश जारी है जिससे तिरुवनंतपुरम, कोच्चि और त्रिशूर सहित प्रमुख शहरों में जलभराव की समस्या उत्पन्न हो गई। आईएमडी ने एर्णाकुलम और त्रिशूर जिलों के लिए रेड अलर्ट जारी किया। इससे पहले इन दोनों स्थानों के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया था। मौसम विभाग ने राज्य के पथानमथिट्टा, अलप्पुझा, कोट्टायम, इडुक्की, पलक्कड़, मलप्पुरम, कोझीकोड और वायनाड जिलों में भी ऑरेंज अलर्ट जारी किया है।

रेड अलर्ट 24 घंटों में 20 सेंटीमीटर से अधिक की भारी से अत्यधिक भारी बारिश का संकेत देता है, जबकि ऑरेंज अलर्ट के तहत 11 सेंटीमीटर से 20 सेंटीमीटर के बीच भारी बारिश की संभावना होती है। छह सेंटीमीटर से 11 सेंटीमीटर के बीच भारी बारिश की संभावना होने पर एलो अलर्ट जारी किया जाता है।

भारी बारिश के कारण कोच्चि के बस स्टैंड में भी जलभराव की समस्या उत्पन्न हो गई है। टीवी चैनलों से जारी फुटेज के अनुसार, कोच्चि शहर की कई प्रमुख सड़कें जलमग्न होने से यातायात अवरुद्ध हो गया है। पुलिस अधिकारियों को शहर के विभिन्न स्थानों पर वाहनों का मार्ग बदलवाते देखा जा सकता है। केरल राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (केएसडीएमए) के अनुसार 19 से 22 मई तक राज्य में बारिश से संबंधित विभिन्न घटनाओं में चार लोगों की मौत हो चुकी हैं।

केएसडीएमए ने कहा कि उक्त अवधि के दौरान कुल 76 घर आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हो गए जबकि तीन घर पूरी तरह ध्वस्त हो गए। भारी बारिश को देखते हुए तिरुवनंतपुरम और कोट्टायम जिलों में दो राहत शिविर लगाए गए हैं।

राज्य भर से सड़कों और कृषि को व्यापक नुकसान की भी खबरें मिलीं। अलप्पुझा में राष्ट्रीय राजमार्ग पर थुरवूर क्षेत्र आज तीन घंटे से अधिक समय तक अवरुद्ध रहा और चैनलों ने व्यस्त यातायात के प्रभावित होने के दृश्य दिखाए। अलाप्पुझा में कुट्टनाड क्षेत्र के कुछ हिस्सों में भी पानी भर गया। कोझीकोड के मावूर क्षेत्र में कृषि क्षेत्र में व्यापक नुकसान हुआ और मलप्पुरम तथा कासरगोड जिलों से मामूली रूप से भूस्खलन हुआ है। त्रिशूर शहर भी जलभराव की समस्या से पीड़ित है। दुकानों और यहां तक कि कुछ निजी अस्पतालों में भी पानी भर गया। त्रिशूर के जिलाधिकारी ने निगम अधिकारियों को सात दिनों के भीतर अपनी सीमा में नदियों और नालों को साफ करने के निर्देश जारी किए हैं।